



中大校友诗鸿

校
友
所
題

第四集

中大校友诗社编

一九九七

中大校友诗鸿

第四集

中央大学校友诗社

一九九七年十二月

五言

寶島風光五國瞻
百年辛苦事莫
忘
舊制因時更革除
外無國故圖新
敵友辨征伐人自治善周旋
同心共創輝光天
慶華

庚子年夏月
大漠流沙

金華



戊寅春初入桂林

雨雪辭家倏柳辰漸親蠻瘴背胡塵
萬峰張臂能成國千里逢花不當春失
侶禽呼江上客摩空石似楚南人一鶴
正可支天下牛角河山莫愴神

甲戌仲秋八十七叟錢仲聯自書



江南梅熟滿山雨夢裡依稀如昨
月台城鳴雞古綠蝶意花魂
也從未溫錦帳帳病鵝愁
鶯嬌嬈尋紅葉燕子飛時人簷
旅何處傳幽情
誰是春風無數恁趁綻吳棉
翻成朵負綠葉枝繁青梅萼嫩
撩人裳繁碧石空暮薄雨務輕
蝶忙爭半紅豆珍重千般
細雨萬般愁

劉起釣
丁巳夏作於臺城路
一九八五年六月

鶴鵠天

歡迎台灣朋友

四大陸聯吟

卅載音塵旧夢迷
綠楊結社詠清時
空寬掩映珠簾卷
心待東山燕子歸
陽氣動彩霓飛天涯
風雨送春回平山桃李芳溪遠
修竹行歌起翠微

辛酉年子仰



目 录

(一) 作者名录及作品篇数:

| | | | | |
|-----|------|-------|-------|------|
| 陈去病 | 诗 4 | | (1) | |
| 黄炎培 | 诗 1 | | (1) | |
| 李叔同 | 诗 4 | | (2) | |
| 胡翔冬 | 诗 3 | | (3) | |
| 吴 梅 | 词 2 | | (4) | |
| 黄 佩 | 诗 3 | 词 1 | | (4) |
| 秉 志 | 诗 3 | | (6) | |
| 汪辟疆 | 诗 4 | | (7) | |
| 胡小石 | 诗 3 | 词 2 | | (8) |
| 陈中凡 | 诗 4 | | (9) | |
| 陈 柱 | 词 3 | | (10) | |
| 汪 东 | 词 4 | | (11) | |
| 乔大壮 | 诗 2 | 词 2 | | (12) |
| 黎国昌 | 诗 4 | | (13) | |
| 方东美 | 诗 4 | | (14) | |
| 胡先骕 | 诗 5 | | (15) | |
| 闻一多 | 译诗 1 | 诗 2 | | (16) |

| | | | | |
|---------|------|-------|-------|------|
| 郑 集 | 诗 2 | 自度曲 2 | | (17) |
| 顾毓琇 | 诗 2 | 词 3 | | (18) |
| 唐圭璋 | 词 4 | | | (20) |
| 龙榆生 | 词 3 | | | (21) |
| 陈家庆 (女) | 词 1 | | | (22) |
| 吴白匱 | 诗 3 | | | (22) |
| 吕贞白 | 诗 4 | | | (23) |
| 谢惠霖 | 诗 1 | | | (24) |
| 吴世昌 | 词 5 | | | (25) |
| 钱仲联 | 诗 2 | | | (26) |
| 顾兆勋 | 诗 1 | 词 1 | | (26) |
| 沈祖棻 (女) | 诗 1 | 词 3 | | (27) |
| 何 嘉 | 词 1 | | | (28) |
| 汪海粟 | 诗 4 | | | (29) |
| 孙 望 | 诗 1 | 词 2 | | (30) |
| 程千帆 | 诗 3 | 词 2 | | (31) |
| 吴奔星 | 诗 3 | | | (32) |
| 钱仁康 | 歌词 1 | | | (33) |
| 吴调公 | 诗 1 | 词 1 | | (33) |
| 许 照 | 诗 1 | 词 1 | | (34) |
| 周 憲 | 诗 1 | | | (34) |
| 黄汝鑑 | 诗 1 | 词 4 | | (35) |
| 沈振家 | 诗 1 | | | (36) |
| 常任侠 | 诗 1 | | | (37) |

| | | |
|---------|---------|------|
| 张玉泉 (女) | 诗 5 | (37) |
| 张建东 | 诗 4 | (38) |
| 戚法人 | 词 1 曲 1 | (39) |
| 高良润 | 词 1 | (40) |
| 张 立 | 词 1 诗 3 | (40) |
| 凌文远 | 诗 4 | (42) |
| 朱 夏 | 诗 4 | (43) |
| 林 竞 | 诗 1 | (44) |
| 朱 永 | 诗 5 | (45) |
| 刘金鳌 | 诗 4 | (45) |
| 吴锡泽 | 诗 5 | (47) |
| 朱宏隆 | 诗 2 | (48) |
| 金启华 | 诗 2 词 2 | (48) |
| 顾淦臣 | 诗 2 | (49) |
| 何敏求 | 诗 4 词 1 | (50) |
| 陈祖湘 | 诗 4 | (51) |
| 郑孝燮 | 诗 2 | (52) |
| 王继纯 | 诗 1 | (53) |
| 黄大明 | 诗 1 | (53) |
| 曹泽清 | 诗 2 词 2 | (54) |
| 张锡嘏 | 诗 5 | (54) |
| 严在宽 | 诗 2 | (56) |
| 厉声树 | 词 2 | (56) |
| 王文靖 | 诗 1 | (57) |

| | | |
|--------|----------|------|
| 陈 华 | 诗 1 | (57) |
| 袁冰清(女) | 诗 3 词 1 | (58) |
| 彭伯通 | 诗 5 | (59) |
| 马驥程 | 诗 5 | (60) |
| 邓健鸿 | 诗 3 | (61) |
| 罗恩泽 | 诗 3 | (62) |
| 谢纯德 | 词 1 诗 1 | (63) |
| 周太康 | 诗 5 | (64) |
| 徐兰如 | 诗 5 | (65) |
| 苏箋寿 | 诗 4 | (66) |
| 文席谋 | 词 3 诗 1 | (67) |
| 陈祚璜 | 词 2 诗 3 | (68) |
| 吴宗岳 | 诗 1 歌词 1 | (70) |
| 苏昌辽 | 词 1 诗 4 | (70) |
| 蒋孝达 | 诗 4 | (71) |
| 姚禹謨 | 诗 2 | (72) |
| 王 薇(女) | 新诗 1 | (73) |
| 吴俊云 | 诗 5 | (74) |
| 曹象先 | 诗 3 | (75) |
| 苏茂邦 | 诗 1 词 1 | (75) |
| 张书生 | 词 1 | (76) |
| 刘起釪 | 诗 3 词 2 | (76) |
| 蔡敦德 | 词 4 | (78) |
| 黄述远 | 诗 4 | (79) |

| | | |
|--------|---------------|-------|
| 王鹏飞 | 组诗 3 | (80) |
| 喻 薇 | 诗 3 词 2 | (83) |
| 李如春 | 诗 3 曲 1 | (84) |
| 赵 普 | 诗 2 | (85) |
| 张寿平 | 诗 5 | (85) |
| 李航涛 | 献词 1 | (86) |
| 王立农 | 诗 2 词 1 | (87) |
| 高 扬 | 词 4 | (88) |
| 过九如 | 诗 2 | (89) |
| 过永炎 | 诗 2 | (89) |
| 戴文进 | 诗 1 | (90) |
| 张长炯 | 曲 5 | (90) |
| 吴克奎 | 诗 2 | (91) |
| 余 健 | 词 3 | (92) |
| 李燕石 | 词 1 诗 3 自度曲 1 | (92) |
| 金仲辉 | 诗 3 | (94) |
| 李亚白 | 诗 5 | (95) |
| 吴剑英(女) | 诗 2 词 1 | (96) |
| 朱祖延 | 诗 5 | (97) |
| 张良皋 | 诗 5 | (98) |
| 徐志刚 | 诗 4 词 1 | (99) |
| 龙盛绩 | 诗 4 | (100) |
| 邬伯饶 | 诗 5 | (101) |
| 梁真吾 | 诗 3 | (102) |

| | | | |
|---------|---------|-------|-------|
| 俞集梧 | 诗 1 | | (103) |
| 郑显芝 | 新诗 1 | | (104) |
| 朱成学 | 诗 2 | | (104) |
| 文伏波 | 诗 4 | | (105) |
| 陈谋德 | 诗 4 | | (105) |
| 张永成 | 诗 4 | | (106) |
| 黄 山 | 诗 4 词 1 | | (107) |
| 陈 朴 | 诗 3 | | (109) |
| 朱万里 | 诗 5 | | (109) |
| 卓友渔 | 诗 5 | | (110) |
| 陈执中 | 诗 3 词 2 | | (112) |
| 李 飞 | 诗 3 曲 2 | | (113) |
| 王慧君 (女) | 词 4 诗 1 | | (115) |
| 宋锡仁 | 诗 2 | | (116) |
| 原葆民 | 诗 4 | | (117) |
| 赵树民 | 诗 4 词 1 | | (119) |
| 赵洛生 | 词 1 | | (120) |
| 刘禹宪 | 词 4 诗 1 | | (121) |
| 刘禹轩 | 词 3 | | (122) |
| 陈家珏 | 词 1 | | (123) |
| 朱季和 (女) | 诗 2 | | (124) |
| 李学曾 | 诗 2 | | (124) |
| 谢永滋 | 词 2 诗 1 | | (125) |
| 彭德润 | 诗 3 词 2 | | (126) |

| | | |
|-----|------------|-------|
| 刘自刚 | 诗 3 | (127) |
| 胡世扬 | 词 1 | (127) |
| 方宗远 | 词 4 诗 1 | (128) |
| 霍松林 | 诗 5 | (129) |
| 易森荣 | 诗 5 | (130) |
| 朱法彰 | 词 1 诗 3 | (131) |
| 刘培生 | 诗 4 | (133) |
| 李 梁 | 诗 1 | (134) |
| 赵志良 | 诗 2 | (134) |
| 周印川 | 诗 3 | (135) |
| 李学汾 | 诗 1 词 1 | (135) |
| 杨星火 | 组诗 3 | (136) |
| 时昭溥 | 诗 1 | (137) |
| 颜景常 | 诗 2 | (138) |
| 戈 珩 | 诗 1 | (138) |
| 李 放 | 诗 4 词 1 | (138) |
| 秦子卿 | 诗 3 | (140) |
| 汪绍崑 | 词 5 | (140) |
| 陈玉璞 | 词 1 | (141) |
| 邹进上 | 诗 3 | (142) |
| 刘惠霖 | 诗 1 | (142) |
| 章学清 | 词 3 | (143) |
| 张伯华 | 诗 1 | (144) |
| 陈 磊 | 自度曲 3 新诗 1 | (144) |

| | | | | |
|-----|-----|-------|-------|-------|
| 白 坚 | 诗 3 | | (145) | |
| 左东启 | 词 4 | | (146) | |
| 索毅然 | 词 1 | 诗 2 | | (147) |
| 华士林 | 诗 1 | 词 1 | | (148) |
| 王运洪 | 诗 3 | 词 1 | | (150) |
| 张熙瑾 | 诗 1 | | (150) | |
| 庄 骏 | 词 1 | 诗 2 | | (151) |
| 王世夏 | 诗 2 | 词 3 | | (152) |
| 常国武 | 诗 1 | | (154) | |
| 陈 雄 | 诗 3 | | (154) | |
| 汪永泽 | 诗 3 | | (155) | |
| 宙 浩 | 词 1 | 诗 4 | | (156) |
| 洪 桥 | 词 1 | 诗 1 | | (157) |
| 张梦机 | 诗 5 | | (157) | |

(二) 校友诗词专辑 (三)

| | | | |
|--------|-------|--------|-------|
| 西迁诗稿残篇 | | 张以礼 遗作 | (159) |
|--------|-------|--------|-------|

| | | |
|--------------------|-------|-------|
| (三) 《中大校友诗鸿》第二集勘误表 | | (179) |
|--------------------|-------|-------|

| | | |
|--------------------|-------|-------|
| (四) 《中大校友诗鸿》第三集勘误表 | | (180) |
|--------------------|-------|-------|

| | | |
|---------|-------|-------|
| (五) 编后记 | | (185) |
|---------|-------|-------|

| | | |
|--------|-------|-------|
| (六) 通报 | | (188) |
|--------|-------|-------|

陈去病 (1874—1933，南社主要发起人，东南大学教授)

正月二十四日会葬鉴湖女侠于西泠桥畔

白傅堤长湖水清， 贞魂今复妥轩亭。

从教苏小坟前草， 到得秋来也放青。

岳坟于墓久荒凉， 苍水沉冤孰表章。

不信中朝元气尽， 只今儿女挽墮纲。

玄酒菜香次第陈， 衣冠如雪拜佳人。

道旁妇孺争垂涕， 道是鲁连耻帝秦。

诸君高谊薄云天， 千里殷勤挂纸钱。

我为陈辞酬一斝， 好将心事达重泉。

(编者按：今年为秋瑾诞生 120 周年及逝世 90 周年，特录陈氏诗以为纪念。)

黄炎培 (1878—1965，东南大学董事会常务董事)

遣 兴

长愁梅子黄时雨，
适意尽呼湖艇坐，
写将史事梅村熟，
诗卷一囊杂今古，
小别淞南绿后波。
美名暂谢客轩过。
吟到民生白傅多。
观人观我两如何？

李叔同 (原名息霜，1880—1942，南京高等师范学堂教席，后皈依佛教，称弘一法师。)

春游曲 (二首)

春风吹面薄于纱，
游春人在画中行，
春人妆束淡于画。
万花飞舞春人下。

梨花淡白菜花黄，
莺啼陌上人归去，
柳花委地荠花香。
花外疏钟送夕阳。

忏 悔

人非圣贤，
犹如素衣，
改过自新，
一念慈心，
其孰无过。
偶着尘涴。
若衣拭尘。
天下归仁。

冬日的同乐

圣世乐太平， 民康而物阜。
万类咸喁喁， 同浴仁恩厚。
昔日互残杀， 而今共爱亲。
何分物与我， 大地一家春。

胡翔冬 （名胡俊，1883—1940，中央大学教授）

重题蜀柳

故叶眉争绿， 新花额共黄。
秋零错相怪， 春到不须妆。
松老徒官样， 梅馨但石肠。
成都肯留我， 感汝意何长。

戊寅端午

隔屋吹香艾火新， 薄觞续命八千春。
老夫别有闲滋味， 吞泪如醪也醉人。

元 日

元日俗所爱， 畸人敢侮之。
一杯悬万态， 旧雪与新诗。
蜗角晴先抵， 鹊声喜为谁。